सम्पादकीयः

''जो परिवर्तन आप संसार में देखना चाहते हैं वह हो,'' एम. गान्धी - ए डब्ल्यू पी एस के जैसे लक्ष्य और मिशन है उनके अनुसार हमारे दर्शनों का विस्तार हो रहा है। ठीक इसी समय, सेकशन जमावड़े की सभाओं में बाँटे-बताए गए अनुभवों द्वारा हम एक साथ मिलकर और अधिक निकट आने की ओर बढ़ रहे हैं। यदि आप आगामी 4 वर्षों में ए डब्ल्यू पी एस की सामरिक महत्त्व की योजना बनाने की प्रक्रियाओं में भाग लेना चाहते हैं तो कृपया मुझे बताएँ।

विश्व-व्यापक परिवर्तन लाने के मानदण्डों पर प्रतिवेदन देने के लिए सेक्शन समिति की नियुक्ति की गई है। वर्तमान में वे निर्देशन की शर्तों को अन्तिम रूप दे रहे हैं। कृपया यह निश्चित कर लें कि आपकी सभाएँ इस मामले पर विचार कर रही हैं, और जिन मापदण्डों का अभिग्रहण किया जाना है उनका प्रतिवेदन संयोजक, रॉबर्ट हॉवैल के ई-मेल पर भेज दें rhowellnz@gmail.com – समिति के सदस्यों के नाम पृष्ठ 17 पर दिए गए हैं।

फरवरी माह में मैं फिलिप्पाइन्स इवेन्जलीकल फ्रेण्डस् चर्च में उनके महत्त्वपूर्ण मील के पत्थर पूरे किए जाने वाले समारोह में भाग लेने गई थी। इसके अतिरिक्त, मनीला में, स्टेट यूनिवर्सिटी में बिना कार्यक्रम तय किए एक छोटी आराधना सभा भी हुई। जबकि मैं यू एस ए जा रही हूँ तब मैं इवेंन्जलीकल एवं बिना कार्यक्रम बनाए समूहों में बोलूंगी, साथ ही साथ अमेरिकास गेदरिंग और सेन्ट्रल एक्ज़ीक्यूटिव के सेकशन में भाग लूंगी। अनुग्रह और शान्ति आप सब के साथ बनी रहे, वैलेरी जॉए ए डब्ल्यू पी एस सेक्रेटरी

एशिया वैस्ट पैसिफिक सेकशन का सम्मेलन ''स्पष्ट प्रकाश और नवीन आशा'' में : परामर्श के लिए दि वर्ल्ड ऑफ फ्रेण्डस् वर्ल्ड कमैटी (एफ डब्ल्यू सी सी)

सभी देशों, स्थानों, द्वीपों जातियों, में और जहाँ से भी आप आते हैं नमूने बनें, उदाहरण बनें, जिससे कि आपकी चाल और जीवन उनको और सब प्रकार के लोगों के मध्य में प्रचार कर सके, तब आप संसार के एक ओर से दूसरी ओर आप हर्षपूर्वक चल पाएंगे, यह उत्तर देते हुए कि प्रत्येक जन के लिए परमेश्वर है'' – जॉर्ज फॉक्स (जेल से 1656)।

मित्रो शुभ सन्ध्या/नमस्ते। परमेश्वर के नाम मैं आप सबको अभिवादन। जीवन का सृष्टिकर्त्ता और जीवन देनेवाला जो कि हमें सब बातों में समर्थ करता साथ ही यहाँ उसकी स्पष्ट उपस्थिति (प्रकाश) और आशा के सम्मेलन में भी। दक्षिण अफ्रीका में जोहानेसबर्ग मन्थली मीटिंग और सेन्ट्रल एण्ड साउद्रन अफ्रीका वार्षिक सभा (सी एण्ड एस ए वाय एम) से आपके लिए प्रेमपूर्ण शुभकामनाएँ लाती हूँ।

मैं आपके मध्य में विनीत और सम्मानित हूँ और मुझसे कहा गया कि इस सम्मेलन में 'दि वर्ल्ड ऑफ फ्रेण्डस् वर्ल्ड कमेटी फॉर कन्सलटेशन' (एफ डब्ल्यू सी सी) का सन्देश लेकर आऊँ। मुझे निश्चय नहीं है, कि मित्रों के लिए जॉर्ज फॉक्स का सन्देश, जिसे ठीक अभी मैंने पढ़कर सुनाया था, उसका भाग था जिसने 1937 में फ्रेन्डस् के विश्व सम्मेलन (वर्ल्ड कान्फ्रेन्स ऑफ फ्रेन्डस्) ने संस्थापक फ्रेन्डस् को प्रेरणा प्रदान की थी कि स्वार्थमोर, पेन्सिलवेनिया में विश्व समिति का गठन करें। संभवत: उत्तर हाँ है कि इसकी स्थापना करने में प्रेरणा प्रदान की थी क्योंकि यह उस सोच-विचार का भाग थी जिसने निर्णय को सूचित किया था। यहाँ हम हैं, भारत में भोपाल के स्पष्ट प्रकाश में अपनी छायाओं का निक्षेपण कर रहे हैं, वह भी कठिनाइयों से भरे संसार के विभिन्न भागों से आकर, परन्तु नवीन या ताज़ी आशा से भरे हुए कि परमेश्वर की सहायता से इसकी मरम्मत करें। मैं सोचती हूँ कि यूनाइटिड स्टेट्स ऑफ अमेरिका में राष्ट्रपति का चुनाव, नवीन आशा का एक महत्त्वपूर्ण प्रमाण है : नवीन आशा न केवल अमरीका के नागरिकों के लिए, परन्तु संसार भर के नागरिकों के लिए है!

परामर्श के लिए फ्रेण्डस् की विश्व समिति (एफ डब्ल्यू सी सी) क्या और कौन है?

यह एक परामर्शक निकाय है जो कि 'फ्रेन्डस् की धार्मिक संस्था के अन्दर आत्मिक जीवन को उत्साहित करता और बल प्रदान करता है, तथा आराधना, अन्त:निरीक्षण, अध्ययन, सम्मेलनों और गहनतम स्तर पर अनुभवों को व्यापक रूप से बाँटने के मानदण्डों द्वारा संसार में इसकी बाह्य सेवा को करने की खोज में लगा रहता है।' यह विश्वव्यापी फ्रेण्डस् के समूहों एवं सम्बद्ध वार्षिक सभाओं को समाविष्ट करता है। हम ने कवेल भाषा, संस्कृति और राष्ट्रीयता में भिन्न हैं, परन्तु अपने सामान्य मसीही और क्वेकर, मीरास और साक्षी के विभिन्न पहलुओं पर जो बल देते हैं, उनमें भी भिन्न हैं। यह सम्मेलन चार खण्डों में से एक है जो इसे भिन्न निकाय बनाता है।

वे कौन से सिद्धान्त हैं जो एफ डब्ल्यू सी सी के कार्य को चलाते हैं? एफ डब्ल्यू सी सी फ्रेण्डस् की भिन्न भिन्न परम्पराओं के वरदानों और आपसी समझ के द्वारा परमेश्वर की सेवा करने के लिए अस्तित्व में है। यह विभिन्न परम्पराओं के फ्रेण्डस् (मित्रों) को समर्थ बनाती है कि उन बातों से एक दूसरे के सम्पर्क में बने रहें जो कि शाश्वत या अनन्त हैं और परमेश्वर की सेवा में सहयोग करें। परमेश्वर की सेवा करने में हमें एक दूसरे से प्रेम करने, एक दूसरे से सीखने, अपनी नानाविध परम्पराओं से भेंटों को देना और स्वीकार करने और चुनौती दिए जाने और उन वरदानों से सम्पन्न बनने के लिए बुलाया गया है जिन्हें मित्रगण लाते हैं। इन सब बातों में, जब हम आमने-सामने और आराधना में आते हैं तब हम परमेश्वर की इच्छा पाने की खोज को लगते हैं। जब हम सब यहाँ एक साथ हैं तब इस समय के दौरान हम सब विपुल खोज का पाने के लिए आगे की दृष्टि लगाए हैं। उस खोज में से कुछ तो पूरी भी हो चुकी हैं जब यहाँ आने के लिए हमने यात्राएँ की थीं। जब हम यहाँ इस भवन में इकट्ठा हैं तब यह निरन्तर होती रहेगी। यहाँ आते समय हम मित्रों (फ्रेण्डस्) के साथ मुलाकात और आराधना

करते रहे थे। जब हम यहाँ पर पहुँचे तब हमसे प्रेम किया गया, हमारी चिन्ता की गई; इस या उस ढंग से सहयोग प्रदान किया गया, गले लगाया गया और प्रसन्नतापूर्वक स्वागत किया गया।

'स्पष्ट प्रकाश और नवीन आशा' विषय से प्रतिरूप

मैं उस समय को स्मरण करती हूँ जब एक बच्चे के रूप में पहली बार अपनी छाया (परछाईं) की खोज की थी। पहले तो मैं सहम गई और यह देखकर आश्चर्यचकित हो उठी थी कि यह कैसा व्यक्ति है जो हिलता-डुलता है और जो कुछ मैंने किया उसने भी वही किया। मैं अपना हाथ ऊपर उठाया करती और ज़मीन पर इस व्यक्ति के साथ भी ठीक वैसा ही होता। मैं दौड़ी और यह परछाईं भी मेरे समान तेजी से दौड़ी। पहले तो, मेरे प्रति इस व्यक्ति की समरूपता को देख ही नहीं पाई थी। मुझमें चिन्ता और उत्तेजना का मिश्रण व्याप्त था कि मैं इस व्यक्ति को अपने पास से अलग करने में पूर्णतया असमर्थ थी। उस समय तक मैंने यह नहीं सीखा था कि जब प्रकाश, सूर्य का प्रकाश होता है तभी यह दूसरा व्यक्ति दिखाई देता है। बाद में मैंने देखा कि शाम के समय जब मैं अपनी दादी माँ की कुटिया की ओर जा रही थी और जब दीपक जला दिया गया था तब भी यह व्यक्ति मेरा अनुसरण कर रहा था। यह परेशान कर देने वाला था और इसका मेरे जीवन पर हावी होना अचरज से भरा था।

प्रकाश में खड़ा होना हमें इस योग्य बनाता है कि जिस ज़मीन पर हम खड़े हैं उस पर हमारी परछाईं बनती है। प्रकाश जितना अधिक स्पष्ट होगा, छायाएँ भी उतनी ही गहरी दिखाई देंगी।

यहाँ हम भोपाल में स्पष्ट प्रकाश और नवीन आशा के अन्तर्गत आशान्वित होकर उन परछाईंयों को खोज रहे हैं और उन छायाओं को बना रहे हैं। रैक्स एम्बलर आरम्भिक फ्रेन्डस् के बारे में अपनी पुस्तक ''लाइट टू लिव बाई'' *(प्रकाश जिसके द्वारा जीना)* : एन एक्सप्लोरेशन इन क्वेकर स्प्रिचुअलिटी *(क्वेकर की आत्मिकता में छान-बीन)*, (पृ 5) :'' वह प्रकाश जिसने उनके पापों को उन्हें दिखाया वही नया जीवन का स्रोत था।'' ठीक स्पष्ट प्रकाश जिसके अन्दर हम सब इकट्ठे हुए हैं, वहीं हमें हमारा अंधेरापन और संसार की कुछ दोषपूर्णता में सहापराधिता को दिखाएगा और क्षतिपूर्ति करने के लिए हमें नवीन आशा देता है। यह हमें एक नये जीवन के अन्दर प्रदीप्त और प्रेरित करता है।

जनवरी 2004 में, न्यूज़ीलैंड के ऑकलैंड आओटीयरोआ में हम इस विषय के अन्दर प्रकाश में खड़े थे, 'बदलने वाले संसार में परमेश्वर की सेवा करते हुए विश्वासयोग्य साक्षी बने रहें।' जिस परछाईं को हम बनाते या ढालते हैं वह अनिश्चयता और अन्य बातों के बीच में चिन्ता, हमारी वित्त सम्बन्धी बुरी दशा, संसार जो पूर्ण रूप से भय और संदेह से भरा था। संसार में इतना अधिक भय और संदेह था कि हमारे कुछ सदस्यगण यहाँ आने से रोके गए, कुछ तो सभा आरम्भ होने के कई दिनों बाद यहाँ किसी तरह से पहुँच पाए थे।

संसार के आर पार बड़ी संख्या में फ्रेण्डस् को चलायमान करने के द्वारा, वातावरण पर जिस प्रकार का संघात कर रहे थे, वह बहुत अच्छा नहीं था, यदि हम इसी प्रकार से करना जारी

रखते हैं तब तो हमें हमेशा अपने कार्यव्यवहार को करना पड़ता था। परन्तु ठीक वही प्रकाश जिसने हमें अपने आपको खोजने योग्य बनाया था, उसी ने हमें पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया के द्वारा जांचने योग्य किया, नई आशा के लिए प्रेरित किया जिसने हमें इस योग्य किया कि पीछे जाएँ और आगे देखें, परामर्श लें, आपस में बाँटें-बताएँ और विश्वासयोग्य साक्षी और परमेश्वर की इच्छा के सेवकगण बनने के लिए नये तरीकों को खोज निकालें। हमारे पास खर्च करने के लिए जो सीमित वित्तीय स्रोत हैं उन्हीं के द्वारा अभी तक हमने एफ डब्ल्यू सी सी के लक्ष्यों को पूरा किया है। उसे खोजने या जाँचने का सकारात्मक परिणाम आज हम फ्रेन्डस् की परामर्श के लिए विश्व समिति की सेन्ट्रल एक्ज़ीक्यूटिव कमेटी (केन्द्रीय कार्यकारिणी समिति—सी ई सी) में होते देख रहे हैं जो कि हमारे लिए, संसार के लिए और परमेश्वर की समस्त सृष्टि में स्पष्ट प्रकाश में एशिया वैस्ट-पेसिफिक सेकशन के फ्रेण्डस् के साथ ठीक आमने-सामने आ रही है। हम इसी प्रकार से करने की आशा संजोय हैं, थोड़ी संख्या में लोगों को गतिशील बनाते हैं कि एफ डब्ल्यू सी सी के अधिक सदस्यों से मिलें और फ्रेण्डस् के अहाते या परिवेश में उनके साथ संलग्न एवं वचनबद्ध हों, जैसे कि वे पहले थे। मैं प्रार्थना और आशा करती हूँ कि यह समय एक दूसरे को जानने का और चुनौतियों बांटने-बताने का होगा जिनका सामना इस क्षेत्र के फ्रेण्डस् करते हैं और जब हम वापस घर जाते हैं तो नवीन आशा में एक दूसरे को प्रेरित करें।

मार्च 2009 में, सी ई सी आशा करती है कि अमरीका के सेकशन से मिलें एवं विचारों का आदान-प्रदान करें। इन सभी मुलाकातों में हम सतर्क बने रहें कि, यह वह नहीं जो कहता है कि परन्तु एक वह जो करता है, ये सच्चे मायने में साक्ष्य हैं। चुनौती एक एक जन और हम सब के लिए है, कि जो कुछ हमने सीखा है और जो कुछ कहा गया है उस सबको कार्य व्यवहार में लाने के प्रति समर्पित पाए जाएँ। काश कि प्रकाश उन बातों को हम पर प्रगट करे जिन्हें हम करते हैं अथवा विभिन्न प्रकार की सेवा में जिनमें हमें बुलाया गया है, व्यक्तिगत या सामूहिक रूप से सहयोग प्रदान नहीं करते हैं। प्रकाश जो प्रगट कर सकता है वह अत्यन्त सुखकर एवं स्वीकार्य न देख पड़े। उसके साथ हम क्या करें? वही पर तो नवीन आशा और साहस अन्दर आता है। साहस वह होगा कि हमारे अन्दर प्रकाश कौन और क्या प्रकशित और प्रेरित करता है कि हम वह बनें और करें जो हमें बनना और करना है। हमें सावधान बने रहने की आवश्यकता है कि वही प्रकाश जो मुझ में निवास करता है, दूसरों में भी निवास करे। बीते 18 माह में मुझे सौभाग्य प्राप्त हुआ कि सेन्ट्रल (केन्द्रीय) और दक्षिणी अफ्रीका वार्षिक सभा में फ्रेण्डस् (मित्रों) के यहाँ यात्रा करूँ, और उनके पास रहकर सीखूँ और उनके साथ गवाही दूँ। वे विभिन्न सभाओं में भिन्न प्रकार की चुनौतियों का सामना करते हैं। कुछ के नाम लूं, इनमें सदसता का घटते जाना और नये सदस्यों को आकर्षित न कर पाना सम्मिलित है, शान्ति की साक्षी न दे पाना और उनकी आत्मिकता का गहराना। आखिरकार, एच आई वी एवं एड्स से ग्रसित जीवन जीने की चुनौतियाँ मुँह बाए खड़ी हैं, इसके साथ जिम्बाब्वे में संरचनात्मकता का सामना करना, सामाजिक और मनोवैज्ञानिक दुर्व्यवहारों से जूझना। इस

प्रकार के क्षणों में, एकल कार्यवाही के लिए उसी तरह की प्रगति की ओर बढ़ना दूभर हो जाता है और लक्ष्य कुछ सदस्यों को विफल कर देते हैं और अग्रभाग की ओर ले आते हैं और फिर टीका-टिप्पणी की जाती और हमारे मध्य में विभाजन हो जाते हैं।

यह तब होता है जब हमें एफ डब्ल्यू सी सी के सदस्यों के रूप में उत्तरदायित्व को लेना कि इस समझ के साथ एक दूसरे से प्रेम करें और पोषण करें कि हमारी सदस्यता टॉम गेटस् के शब्दों में, ''एक रूपान्तरण परिपक्व बनाने की प्रक्रिया है।'' हम उस रूपान्तरण की विभिन्न अवस्थाओं में हैं, परन्तु हम ''एक से दूसरे सदस्यों'' पर कभी रोक नहीं लगाते हैं। हमारी विविधता की प्रशंसा एवं गुणगान वार्षिक सभाओं और समूहों के हमारे सदस्यों पर निर्भर है, उनकी व्यक्तिगत सदस्यता के द्वारा। संसार में इन मामलों के प्रति आपका प्रत्युत्तर हमें मित्रों के एक परिवार के रूप में सक्षम बनाता है कि उन विजयों का दावा करें और उन्हें मनाएँ।

यह मेरी प्रार्थना और आशा है कि जब हम यहाँ स्पष्ट प्रकाश और नवीन आशा में खड़े हैं, हम यह स्मरण करते हैं कि ''तुम जगत की ज्योति हो। जो नगर पहाड़ पर बसा हुआ है वह छिप नहीं सकता'' (मत्ती 5:14)। काश कि यह प्रकाश जो कि हममें से प्रत्येक को प्रदीप्त करता है, हमें जाँचे, हमें खोजे और इस संसार में नमूनों के रूप में शुभ सन्देश को बताने के लिए भेजे। अपने जीवनों को बोलने दें।

मित्रों, मैं आपको धन्यवाद देती हूँ। जब आप दूसरों को आशीष देते हैं तब परमेश्वर आपको और अपनी समस्त सृष्टि को निरन्तर आशीष दे।

आपकी विनम्र सेविका,

डुडुज़िले जे. मशाज़ो

ए डब्ल्यू पी एस इन्क. की आम सभा

पास्टोरल सेन्टर, भोपाल, 11 नवम्बर 2008

1. स्वागत और जो फ्रेण्डस् उपस्थित हैं उनका अभिलेखन।
सभा का आरम्भ 10 बजे प्रात: हुआ और क्लर्क (लिपिक या सचिव) ने समझाया कि इस सभा का उद्देश्य दक्षिण आस्ट्रेलिया में जो कानून है उसकी कानूनी मांगों के एक भाग को समाविष्ट करना। जो उपस्थित थे वे हैं:

ए एन ज़ैड वाय एम: जोआन्न हॉल, क्लेयर ग्रेगोरी, लिनले ग्रेगोरी, पैट्रीसिया मैकग्रेगोर, थोमस वाटस्, रॉबर्ट हॉवैल।

ए वाय एम: हेलेन बेज़, एमिली चैपमैन सीयर्ले, मिखाएल कॉरबैट, थोमस डुन्डास, टाप्सी इवान्स्, सीनेके मार्टिन, जिम पामर, डेविड पुरनैल, मारियॉन सुल्लीवान, बारबरा ट्रयू, डोनाल्ड टुगबाई, ताससू किम वाटसन, वैलेरी जॉए, डेविड इवान्स्, एमिली चैपमैन सीयर्ले, जूड

पैमब्लेटन।

जे वाय एम: मामोरू हितोमि, सतोशिको (केई) कोयडे, सेतसुको मसायके।

जी सी एफ आई: बी. के. बावा, अवधेश बावा, वायोलिनी सोनकाम्बले, भास्कर सोनकाम्बले, सरदार सिंह, अनूप सोनकाम्बले, परवीन जाधव, विशाल जाधव, दिलावर चेतसिंग।

भोपाल वाय एम: नलीनी टाइटस, नीता टाइटस, ज्योति नथानिएल, देवादास श्रीसुन्दर, भोलानाथ गौतम।

बुन्देलखण्ड वाए एम: जयराज ब्राऊन, स्वर्णलता ब्राऊन, आइरिन दास, यूसुफ सीलास, संजय मसीह, प्रेमदास मसीह, मनीश दास।

महोबा वाय एम: विनय अगस्तीन।

पी ई एफ सी : वाय एम: जॉन ओकोल, लोइस ओकोल, जैमे तबिन्गो, लीडिया तबिन्गो।

सीओल एम एम: बॉन्ग सू क्वाग।

हान्गकांग एम एम: जूलियन स्टारगर्ट।

अतिथिगण:

रॉजर स्टर्ज, रे ट्रीडवे, ग्रेचेन कैसल, रूडी पान्टॉअ, अरियान्टो लबारो, प्रदीप लामिच्छाने, साबित्री लामिच्छाने, जॉन मिकिसि और जॉन सबवा।

2: 11 जनवरी 2008, मैनिक्स कॉलेज, मेलबोर्न, में हुई आम (जनरल) सभा के विवरण (मिन्-इट्स)

हमने इस सभा की उपस्थिति सूची में मारियोन सुल्लिवान का नाम जोड़ा। मिन्इट्स (मिनिट्स) पढ़े गए और उन्हें जैसे के तैसा स्वीकार किया गया।

3: बिजनैस में उठने वाली बातें: कुछ नहीं।

4: क्लर्क की रिपोर्ट (प्रतिवेदन):

हम इस प्रतिवेदन को स्वीकार करते हैं जो अंग्रेज़ी एवं हिन्दी में उपलब्ध है। क्लर्क ने अपनी इच्छा के विषय में बोला कि हमारे क्षेत्र में जो फ्रेण्डस् चर्चेज़ हैं उनसे निकट सम्बन्ध बनाया जाए और पारस्पारिक संवाद-सम्पर्क किया जाए। आपने इन्टरनेट एवं ई-मेल के बढ़ते उपयोग की वकालत की, जो कि कुछ क्षेत्रों मे तो उपलब्ध नहीं हैं, परन्तु फिर भी इनके द्वारा युवाओं तक पहुँचा जाए।

5. सेक्रेटरी की रिपोर्ट:

हम इस प्रतिवेदन को स्वीकार करते हैं जो अंग्रेज़ी एवं हिन्दी में उपलब्ध है। सेक्रेटरी ने सभी फ्रेण्डस् से कहा कि वे अपने अपने क्षेत्र की सभाओं की रिर्पोटें समाचार-पत्र में प्रकाशन हेतु उन्हें नियमित रूप में भेजें। उन्होंने भारतीय प्रिन्टर्स् (मुद्रक) से सम्पर्क साधा है कि इस समाचार-पत्र को सुन्दर ढंग से छापा जाए। उन्होंने अनुवादों को किए जाने के लिए अपने दर्शन

के बारे में बोला कि क्षेत्रीय भाषाओं में क्वेकर सामग्रियों को प्रकाशित किया जाए, और उनकी सभाओं में बाँटा जाए। वे यह देखना पसन्द करेंगी कि सेक्शन कुछ बुनियादी प्रबन्धन सम्बन्धी नियोजन करे या किसी युवा फ्रेण्ड को काम पर लगाए।

6: कोषाध्यक्ष की रिपोर्ट और 2007 की वित्तीय रिपोर्ट :

हमने इस प्रतिवेदन को स्वीकार किया जो अंग्रेज़ी एवं हिन्दी में उपलब्ध है। सन् 2006 एवं 2007 दानों से होने वाली आमदनी बढ़ी थी, परन्तु ऐसा प्रतीत होता है कि 2008 में कुछ कम रही। एक पारस्परिक एवं एक दूसरे को प्रभावित करने वाली वैबसाइट चेस फाउन्डेशन यू एस ए के अनुदान से कम्प्यूटर में संगठित की गई है, जिसके लिए हम अत्यन्त आभारी हैं। गेदरिंग फण्ड, जिसमें सीओल गेदरिंग से अतिरिक्त धनराशि प्राप्त हुई थी उसके अन्तरराष्ट्रीय वित्तीय संकट (कायापलट) के चलते कम हो जाने की आशा है। फिर भी छोटे अतिरिक्त प्रोजेक्टों के लिए एडमिनिसट्रेटिव (प्रबन्धीय कोष) फण्ड से धन राशि उपलब्ध हो सकेगी। लेखा-जोखा (अकाउन्ट) के लिए तीसरे हस्ताक्षरकर्त्ता तायसू किम वाटसन की नियुक्ति की थी। कोषाध्यक्ष ने अपने प्रतिवेदन में धनराशि उगाहने के कुछ विचार सुझाए।

हॉन्गकान्ग अकाउन्ट:

जबकि सेक्शन सक्रेटरी हॉन्‍नकान्ग में रहती थी, इस कारण सहयोगी खजानची की नियुक्ति की गई कि वहाँ के खर्चों की देखभाल करें, जिसमें सेक्रेटरी के मानदेय का भुगतान करना भी सम्मिलित है, और समाचार पत्र खर्च वहन करना। सेक्रेटरी के त्यागपत्र देने के बाद, सहयोगी खजानची ने सेकशन समाचार-पत्र के प्रकाशन में सहयोग प्रदान किया। अब ए डब्ल्यू पी एस अकाउन्ट को बन्द कर दिया गया है। हम सहयोगी कोषाध्यक्ष के रूप में जूलियन स्टारगर्ट को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद देते हैं जिन्होंने परिवर्तन (संक्राति) काल में अपना योगदान दिया।

7. ऑडिटर की नियुक्ति (लेखा-परीक्षक):

हमारी आगमी जनरल मीटिंग तक के लिए हम इन्गा टौली को ऑडिटर नियुक्त करते हैं। ऑडिटर की उत्तरावर्ती नियुक्तियाँ, प्रत्येक वर्ष के लिए, सेक्शन कमैटी द्वारा निपटाई जाएँगी जब हम 2011 में दुबारा मिलेंगे।

8. जनरल (आम) बिज़नैस:

संविधान का पुनरीक्षण एवं समीक्षा कई फ्रेण्डस् (मित्रों) द्वारा किया जा चुका है और जिन बदलावों के प्रस्ताव दिए गए थे वे सितम्बर 2008 समाचार पत्र में छपे थे। इन प्रस्तावों के अनुवाद एवं हिन्दी संस्करण इस इकाई (बात)के साथ क्लर्क द्वारा प्रावधान किया गया था।

अ) हमारा सेकशन 26 नवम्बर 2007 तक कानूनी तौर से अस्तित्व में नहीं था; जब इसे दक्षिण आस्ट्रेलिया में समाविष्ट किया गया। इसका मतलब है कि हमारे संविधान का अनुपालन दक्षिण आस्ट्रेलिया के कानून के अन्तर्गत किया जाए। यह हमसे माँग करता है कि

सदस्यों की सभाएँ अन्तराल के बाद आयोजित की जाती रहें। हम अपनी सदस्यता की सभाओं को गेदरिंग के रूप में कहते हैं। तथापि एफ डब्ल्यू सी सी संविधान कानूनी तौर पर अधिक स्पष्ट शब्द में इसे 'मीटिंग' प्रयोग करता है। हमारे संविधान को एफ डब्ल्यू सी सी संविधान के तारतम्य में होना चाहिए जिससे कि 'गेदरिंग' शब्द को 'सेकशन मीटिंग' में बदल दिया गया है। हमने कोष्टक में दिए परिच्छेद (गेंदरिंग भी कहा गया) को अनुच्छेद 5 ब के पैरा 2 में सम्मिलित करने के लिए प्रस्ताव पारित किया, और पैरा 5 ब में 'गेदरिंग मीटिंन्स्' को शामिल करना दक्षिणी आस्ट्रेलियन एसोसिएशन्स् इन्कारपोरेशन एक्ट (1985) के अन्तर्गत आवश्यक है, जैसा कि समय समय पर संशोधन किया गया जिसमें कि सेकशन को समाविष्ट किया गया। आम सभाओं (जनरल मीटिंगों) में भाग लेने के लिए सभी सदस्यों का स्वागत है।

जनरल मीटिंगों को वार्षिक करना एक सामान्य बात है, पर दक्षिण आस्ट्रेलिया का कानून हमें अनुमति देता है कि 'वार्षिक' शब्द का उपयोग न करें, जिससे कि आम सभाएँ विभिन्न अन्तराल में की जा सकें और हमारी सेकशन सभाएँ जिन्हें गेदरिंग के नाम से भी जाना जाता है एक ही समय पर पड़ें।

यह भी पारित किया गया कि निम्न शब्दों को सम्मिलित करने के लिए पैरा 7 स को बदला जाए जो इस प्रकार है कि 'जनरल मीटिंग्स् की सूचनाओं को एफ डब्ल्यू सी सी/ए डब्ल्यू पी एस के प्रतिनिधियों को व्यक्तिगत अधिसूचना के रूप में भेजा जाए जो उन्हें 30 दिन नोटिस की अनुमति दे।'

इन प्रस्तावित अनुमोदनों को स्वीकार किया गया।

ब) हमने ए डब्ल्यू पी एस में फिलिप्पाइन्स् इवेन्जलीकल फ्रेण्डस् चर्च और महोबा वाए एम में ग्रहण किया और मार्बल रॉक फ्रेण्डस् क्वेकर्स् के आवेदन का एक फ्रेण्डस् आराधना करनेवाले समूह के रूप में स्वागत किया। यह विचार किया गया कि यह बढ़ोत्तरी हमारी सेकशन समिति के आकार में प्रतिबिम्बित हो। यह स्वीकार किया गया कि जनरल सदस्यों की संख्या तीन से 'पाँच तक' बढ़ाने के लिए 9 ब को संशोधित करते हैं।

स) धारा 12 और अकाउन्ट्गि रिकार्डो और टैक्स (कराधान के) विवरण (12 ब और 12 स) के सम्बन्ध में प्रावधानों के प्रस्तावित प्रावधानों को स्वीकार किया गया।

द) इस बात की सहमति थी कि हम सेकशन नाम को योजक चिन्ह नहीं बनाएँगे।

य) यह समझाया गया कि संविधान केवल उन पर लागू होता है जिन्हें औपचारिक रूप से मान्यता प्राप्त है। यह किसी को अपवर्जित नहीं करता, परन्तु संविधान को अमान्यता प्राप्त समूहों के सन्दर्भ में बताने की आवश्यकता नहीं, जोकि सेकशन हैन्डबुक में समाहित किए जा सकते हैं।

र) हमें शीर्षक पृष्ठ पर '2008 में संशोधित' जोड़ने की आवश्यकता है और पैरा 2 के उपशीर्षक से पैरा 3 को उद्देश्य, लक्ष्य, प्रयोजन, नियम और संहिताएँ होना चाहिए। सेकशन समिति से कहा गया कि वह एक टिप्पणी लिखे जिसमें तीन प्रकार की सभाओं को परिभाषित किया जाए, इसके लिए एलन क्लेयटॅन, क्लेयर ग्रेगोरी और जूलियन स्टारगर्ट की सलाह ली जाए।

<u>नियुक्तियाँ :</u>

क्लेयर ग्रेगोरी ने नामांकन समिति की सिफारिशों को बताया। जिनके नाम नामांकित किए गए थे वे कमरे से बाहर चले गए कि उनके नामों पर विचार किया जा सके।

(अ) क्लर्क

हम 2011 की सेकशन मीटिंग के अन्त होने तक दिलावर चेतसिंग की दुबारा नियुक्ति करते हैं

(ब) सेक्रेटरी

हम वैलेरी जॉए को 31/12/2011 तक के लिए दुबारा नियुक्त करते हैं

(स) कोषाध्यक्ष

हम टॉप्सी ईवान को 31/12/2011 तक के लिए दुबारा नियुक्त करते हैं

सभा स्थगित कर दी गई और फिर दोपहर बाद चालू रही। पुनः संयोजन करने पर, हमने उपरोक्त नियुक्तियों (मिनिटस्) को स्वीकार किया।

(द) मन में यह रखते हुए कि चूंकि हमने संविधान में संशोधन करके 5 जनरल सदस्यों को अनुमति दी है, हमने सेकशन मीटिंग 2011 तक के लिए 5 जनरल सदस्यों की नियुक्ति करने का निर्णय लिया।

(य) जनरल समिति के सदस्य

हम पैट्रीसिया मैक ग्रेगोर (ए एन ज़ेड वाय एम), नाओमी कामिमुरा (जे वाय एम), रोनाल्ड टाइटस (भोपाल वाय एम) की नियुक्ति करते हैं। हमने पुनः बनाई गई नामांकन समिति से निवेदन किया कि बाकी 2 सदस्यों का नामांकन पी ई एफ सी और सी ओ एम एम से करे।

(ए) पब्लिक ऑफिसर

हमने 2011 की सेकशन मीटिंग तक के लिए टॉप्सी ईवान्स् की नियुक्ति की।

(ल) नामांकन समिति

हमने ख्रिस्टोफर लाल, यूकिको बैक्स्, और टॉम कोयनेर की नियुक्तियों को 2011 की सेकशन मीटिंग तक जारी रखा। हमने डेविड पुरनैल और थोमस वाट्स् की

नियुक्ति दो बाकी बची रिक्त जगहों के लिए 2011 सेकशन मीटिंग तक के लिए की, और डेविड पुरनैल से संयोजन बने रहने का निवेदन किया।

10. अन्य कोई बिजनैस: कोई दूसरा बिजनैस नहीं था और मीटिंग सन्ध्या 5.45 पर समाप्त हो गई। वैलेरी जॉए, सेकशन 11/11/08.

कोरियन फ्रेण्डस् : बो - कियोम जिन (सीओल एम एम) की वार्तालाप जो ए वाय एम में प्रस्तुत की गई।

1. कोरियन क्वेकर का इतिहास

कोरियाई युद्ध के उपरान्त, कुछ ब्रिटिश और अमेरीकन क्वेकर्स कोरिया में पुनर्वास कार्यक्रम के लिए आए जब विदेशी कार्यकर्त्ता कोरिया छोड़कर चले गए, तब कार्यक्रमों के कुछ कोरियाई सहायकों ने 1958 में पहली क्वेकर सभा का आयोजन किया और कुछ अमेरीकन फ्रेण्डस्, जिन्होंने इन्टरनेशनल कोआपरेशन एडमिनिस्ट्रेशन इन सीओल (सीओल में अन्तरराष्ट्रीय सहयोग प्रबन्धन) में कार्य किया था उन्होंने उनको सहयोग प्रदान किया। सभा का आरम्भ तीस मिनट तक मौन आराधना करने से हुआ, और फिर लगभग एक घण्टा अध्ययन और सहभागिता के लिए दिया गया।

एफ डब्ल्यू सी सी ने सीओल फ्रेण्डस् को उत्साहित किया कि जापान वार्षिक सभा या होनोलूलू एम एम से सम्बन्ध स्थापित करें और कोरियन्स् में से दो क्वेकर बन गए जिनकी सदस्यता 1958 में होनोलूलू मीटिंग से थी। ऐतिहासिक रूप से, जापान और कोरिया के इस कारण कठिन सम्बन्ध थे क्योंकि कोरिया उपनिवेशीय बन गया था और जापान द्वारा उजाड़ दिया गया था। इसलिए कुछ समय के लिए अन्दर जाना एवं भेंट करना कठिन था। ठीक उसी वर्ष, ए एफ एस सी ने ओजस्वी रूप से कुछ कोरियन्स् को सेमीनारों में ले जाने के प्रयास किए कि जापान के शिविरों में काम करें और इस प्रकार कोरियाई फ्रेन्डस् कार्यक्रम में हिस्सा लेने लगे। उनके वहाँ आने-जाने, जापानियों से पत्र व्यवहार करने से फ्रेन्डस् अस्तित्व में आने लगे। सन् 1961 में, एफ डब्ल्यू सी सी कुछ अतिथियों का खर्च वहन करने लगी और कोरिया और सीओल में रहने वाले फ्रेन्डस् ने निवेदन किया कि एफ डब्ल्यू सी सी से उनका सीधा एवं आधिकारिक सम्बन्ध स्थापित किया जाए। तब लगभग तीस नियमित उपस्थित होनेवालों की सभा होने लगी और अध्ययन कार्यक्रम को सक्रिय रूप से चलाया गया और इस प्रकार एफ डब्ल्यू सी सी ने विदेशी फ्रेण्डस् के साथ सम्बन्ध बनाने आरम्भ कर दिए।

सन् 1964 में, विदेशी फ्रेण्डस् की सहायता से सीओल फ्रेण्डस् के लिए सभाएँ करने के लिए एक स्थान खरीदा गया, इसके पूर्व 6 वर्षों में आराधना करने के लिए वे दस बार स्थान परिवर्तन कर चुके थे। ''सीओल फ्रेण्डस् मीटिंग मासिक समाचार पत्र'' 1966 में प्रकाशित हुआ था। मीटिंग ने निर्णय लिया कि टानडॉन्ग में कोढ़ियों के गाँव को इसके मुख्य सेवा प्रोजेक्ट के रूप में लिया जाए। जापान, यू एस ए, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के आगन्तुकों (मिशनरीज़) ने इस प्रोजेक्ट को बहुत अधिक बल प्रदान किया था।

प्रत्येक रविवार, सोक हॉन हाम द्वारा बाइबल अध्ययन में अगुवाई की जो कोरिया में व्यापक रूप से पहिचाने गए आत्मिक अगुआ थे। सन् 1967 में, सीओल मीटिंग एफ डब्ल्यू सी सी की देखभाल के अन्दर एक मासिक सभा बन गई थी। एफ डब्ल्यू सी सी के सभापित डगलस स्टीयर और उनकी पत्नी डारॉथी 1967 में यहाँ आए और वाए एम सी ए में लगभग एक सौ लोगों की उपस्थिति में उनका सार्वजानिक व्याख्यान क्वेकर बाह्य सेवा में मील का पत्थर साबित हुआ। ठीक इसी वर्ष में सोक होम हाम ने यू एस ए जाने के लिए कोरिया छोड़ा कि ग्रीन्सबोरो गैदरिंग और एफ डब्ल्यू सी सी की दसवीं त्रैवार्षिक में भाग लें। सभा के बाद, आपने पैसिफिक वार्षिक सभा में भाग लिया, पेन्डल हिल में अध्ययन किया और युनाइटिड स्टेटस् और जापान में कई फ्रेण्डस् मीटिंग में भाग लिए और बहुत से फ्रेन्डस् से मुलाक़ातें कीं। अन्तरराष्ट्रीय क्वेकर सम्पर्क जैसे कि कार्य-शिविर, यात्रा करना और विदेश में अध्ययन करना (पेन्डल हिल या इंग्लैंड में बुडब्रुक), क्वेकर सम्मेलनों में भाग लेना, जापानी क्वेकर्स का आना-जाना और उनके साथ मिलकर कार्य करना, और अनेकानेक आने वाले फ्रेण्डस्—इन सबने 1970 एवं 1980 के दौरान कोरियन फ्रेण्डस् के पोषण में भारी योगदान दिया और यह आज भी हमारे लिए समृद्धशाली अनुभव है।

1980 में, एस एम एम, मिलिट्री सरकार की तानाशाही के अधीन सक्रियता से अध्ययन समूह, बाह्य सेवा की गतिविधियाँ चलाती रही और विवेक की आवाज़ उठाती रही थी। सोक हॉन हाम की अगुवाई में सीओल एम एम सदस्यों के साथ फलती-फूलती गई और इसके सदस्यों की संख्या बढ़कर पचास तक पहुँच गई। 1988 में, सभा स्थल पर दूसरी मंजिल का निर्माण किया गया कि बढ़ती हुई सदस्यता की माँग को पूरा किया जा सके। 1990 में सोक होन हाम की मृत्यु के पश्चात् सीओल एम एम अन्धकारमय अवधि से गुजरी। सौभाग्यवश, सन् 2000 से सीओल एम एम अपनी जीवन-शक्ति में पुन: जागृत हुई।

2. मीटिंग की दशा

बीते वर्ष से अधिक समय से हमारे सदस्यों की संख्या 20 से घटकर 10 हो गई है। कुछ भाग लेने वाले अमेरीकन हैं जिन्होंने कोरियन्स् से विवाह किया है। बीते कुछ वर्षों से एक आराधना करने वाले समूह ने नियमित रूप से मिलना आरंभ किया है जिसमें दस सदस्य प्रत्येक सप्ताह डायजोन में (सीओल से 2 घंटे की दूरी पर एक नगर)। उन्होंने एक गुंजायमान आराधना करनेवाली और अध्ययन करनेवाले समुदाय की स्थापना की है। हम प्रतिवर्ष रिट्रीट का आयोजन किया करते थे परन्तु 2007-08 में पहल न करने एवं सदस्यों में कमी आने के कारण ये रिट्रीटें नहीं हुईं। सीओल एम एम में मौखिक सेवाएँ विरल ही हैं और कभी कभी मैं अपनी सभा में मौखिक सेवाओं की अत्यन्त लालसा करती हूँ। इसके अतिरिक्त, एस एम एम की वित्तीय दशा इस कारण से बहुत खराब हो गई क्योंकि मासिक दानों में कमी आ गई।

सन् 2007 से, ए वी पी कार्यक्रम का एक कोरियन फ्रेण्ड (जोन्ची ली) द्वारा परिचय कराया गया और उसके द्वारा तथा जर्मनी के फ्रेण्डस् (उटे कास्पर्स् सहित) इसे सुसाध्य बनाया गया।

अधिकांश भाग लेने वाले सक्रिय एन जी ओ थे। एक सीधे शिक्षण वर्कशाप का आयोजन यू एस ए के जॉर्ज ली के द्वारा बीते वर्ष सीओल में किया गया था।

हम विश्वास और अभ्यास (कार्य व्यवहार) के कोरियाई संस्करण की योजना बना रहे हैं। मैं जानती हूँ कि आपने अपने ही विश्वास और अभ्यास को बनाया है और आशा करते हैं कि आस्ट्रेलियन फ्रेन्डस् हमें कुछ उपयोगी सलाह देंगे।

बीते वर्ष हमारी त्रमासिक गोदरिंग्स फैमिली गेदरिंग्स् के नाम से हुई थी। आशय यह था कि अपने परिवार के सदस्यों को निमंत्रित किया जाए जो क्वेकर्स् नहीं हैं और एक साथ मिलकर गीत गाएँ और भोजन मिल बांटकर खाएँ और संगति करें।

हमारे पास एक वार्षिक गेदरिंग है (बिजनैस मीटिंग और संगति)।

3. कमैटी की गतिविधियाँ

हमारे पास पीस सर्विस कमैटी (शान्ति सेवा समिति), सीखने-सिखाने वाली समिति, बाह्य सेवा समिति, पुस्तकालय और वैबसाइट समिति, सुविधा उपलब्ध करानेवाली समिति, वित्तीय समिति। हमारी समितियाँ मानवशक्ति की कमी के कारण पूरी रीति से कार्य नहीं कर रही हैं परन्तु हम धन्यवादी हैं कि हम इस सभा को बनाए रख सके और कुछ सेवा गतिविधियों को चला सके।

कोरियन क्वेकर इतिहास के आरम्भ से ही सेवा कार्य पर ज़ोर दिया गया। पहले क़दम के रूप में, 1961 में आरम्भ करके दो क्षय रोगियों को दो वर्षों तक दवाइयाँ दी जाती रहीं। अनाथों और अन्धों के लिए कार्य शिविरों को चलाना, 1964 में कोढ़ी मरीज़ों के लिए एक घर का निर्माण किया। 1960 में आपातकालीन भोजन आपूर्ति की गई। 2003 में, समिति ने इराक़ युद्ध के विरोध में प्रदर्शन किया और इराक़ के विरुद्ध युद्ध की पक्षधर संस्थाओं के लिए सक्रिय रूप से धनराशि एकत्रित की। अब समिति विदेशी प्रवासी कामगारों के केन्द्र को सहायता देती है, एस सी-अल स्त्रियों के केन्द्र तथा खदान-विरोधी एसोसिएशन की भी सहायता करती है। कोरियाई युद्ध के कारण, भूमि खदानें जिन्हें युद्ध के दौरान दफ़ना दिया गया था वे नागरिकों के लिए खतरा बन गई थीं पर इन खदानों के शिकार हुए पीड़ितों की कोरिया की सरकार ने कोई चिन्ता नहीं की थी।

हमारे कार्यक्रम में सम्मिलित है प्रत्येक पहले रविवार बिजनैस मीटिंग; दूसरे रविवार को जॉर्ज फॉक्स की दैनिकी (पत्रिका) का पढ़ा जाना; प्रत्येक तीसरे रविवार को पेन्डल हिल की पुस्तिका पर विचार-विमर्श करना; प्रत्येक चौथे रविवार को बाइबल पढ़ने का समूह।

4. सभा में बच्चे

2008 वार्षिक सभा में बच्चों की देखभाल करने का मामला फिर से उठा था। वर्तमान में थोड़े ही बच्चे सभा में अनियमित तौर से आते हैं और एस एम एम महिलाओं को कार्यभार सौंपने जा रही है कि आराधना के दौरान यदि बच्चे आते हैं तो उनकी देखभाल करें।

5. अन्तरराष्ट्रीय सम्पर्क

बहनों की सभाएँ : कैनबरा/आस्ट्रेलिया, कापिटी/न्यूज़ीलैंड, जे वाए एम 2005 ए डब्ल्यू पी एस सेकशन गेदरिंग की मेज़बानी की थी। कोरियन फ्रेन्डस् ने भोपाल सहित अन्तरराष्ट्रीय फ्रेन्डस् गेदरिंग में हिस्सा लिया है और ऑकलैण्ड तथा डबलिन त्रैवार्षिक सम्मेलनों में भी भाग लिए।

उपसंहार : दिसम्बर 2008 में सीओल फ्रेन्डस् की वार्षिक सभा हुई थी जिसमें उन्होंने बीते वर्ष के कार्यकलापों पर पुर्नविचार किया और 2009 की योजना पर विचार-विमर्श किया। हम धन्यवादी हैं कि हम इस छोटी सभा को बनाए रख सके और यह कि हमारा आराधना करनेवाला समूह और अधिक सक्रिय एवं जाग्रत बनता जा रहा है।

मित्रों (फ्रेन्डस्) के समाचार

यह बीता वर्ष वचन का प्रचार करने के लिए सबसे कठिन वर्षों में से एक था। दो जवान जो बीते मई में प्रचार करते हुए पकड़ लिए गए थे उन्हें पीटा गया और पुलिस स्टेशन ले जाया गया और अभी तक अदालती कार्यवाही चल रही है। हम सुसमाचार का सन्देश लोगों तक पहुँचाने में सावधान बने रहते हैं। हमारे दो प्रचारक जो गाँव में सुसमाचार प्रचार करने के लिए जाते हैं वे अपने आपको सुसमाचार प्रचारक नहीं पर शिक्षक बताते हैं। गोब्रिएल और सुजाना मैस्सी, बुन्देलखण्ड।

शंघाई से केन्नेथ को एक आत्मिक रूप से चमकदार समूह के बारे में बताते हैं, जो आत्मिक पुस्तकें पढ़ने के लिए नियमित रूप से मिलते हैं, फिर वे विचार-विमर्श करते और उसके बाद प्रभु भोज लेते हैं। केन्नेथ चीन में बसे रहने से धन्य महसूस करते हैं।

एफ डब्ल्यू सी सी अफ्रीका सेक्शन के सचिव मोज़ेस मुसोन्गा लिखते हैं : हम आपको बहुत अधिक धन्यवाद देते हैं, कि हमारी टीम को, भोपाल यात्रा करने को आपने संभव बनाया। हम आपको निश्चय दिलाना चाहते हैं कि हम इस यात्रा और सुन्दर आतिथ्य के लिए हृदय से आभारी हैं। हमने ए डब्ल्यू पी एस फ्रेन्डस् से बहुत कुछ सीखा है जिसने हमारे मनों में स्थाई स्मरण संजोया है। हमें गर्व होता है कि हम आपके सहभागी हैं।

हम आगे को भविष्य में बहुत-सी गतिविधियाँ करने में लग पड़ने की ओर देखते हैं। आप और सेक्शन के किसी भी सदस्य का अफ्रीका आने के लिए स्वागत है, कभी भी जब मौका मिले।

मैं अपने चर्च के 10 सदस्यों को इस्राएल की यात्रा पर ले गया था और हम शनिवार को ही वापस लौटे हैं। इस बुद्धवार को हम एफ यू एम अफ्रीका मिनिस्ट्रीज़ स्टाफ़ के साथ मवान्ज़ा तन्जानिया की यात्रा करेंगे कि वहाँ प्रशिक्षण वर्कशाप चलाएँ।

सम्पूर्ण सेक्शन में हमारे सभी मित्र फ्रेन्डस् तक हमारी शुभकामनाएँ पहुँचाएँ और स्मरण रखें कि हम आपसे प्रेम करते हैं।

ए एफ एस सी की क्षेत्रीय संचालिका पैट्रीसिया डे बोयेर लिखती हैं : हमारे कार्यक्रम कम्बोडिया, चीन, उत्तरी कोरिया और इन्डोनेसिया में हैं। हमारे पास क्षेत्रीय कार्य भी है जिसमें बर्मा, थायलैण्ड (बर्मीज़ प्रवासी काम करने वाले जुड़े हैं और दक्षिणी थाई संघर्ष के भी), और पूर्वी विभोर सम्मिलित हैं।

हमारे पास ए एफ एस सी कार्यालय हैं जो चीन में फनॉम पेन्ह, डालियान और चान्गशा में तथा जोगयाकार्ता इन्डोनेसिया में हैं।

हम अत्यन्त प्रसन्न हैं कि पैट्रीसिया भोपाल गेदरिंग में भाग ले सकीं। आगे की जानकारी के लिए उनका ई-मेल का पता है : afcca@online.com.au

फ्रेन्डस् पीस टीम्स् से नादिने हूवर लिखती हैं : सुमात्रा/अकेह में स्थिति कठिन है। मैं जनवरी 4-मार्च 23 को जा रही हूँ और अगस्त में पुन: वापस लौटूंगी। मुझे भोपाल में सभा जो फ्रेन्डस् उपस्थित होते हैं उनके नाम और सम्पर्क की जानकारी पाने में अत्यन्त दिलचस्पी है। उत्तरी सुमात्रा में एक समूह है जो क्वेकरवाद को अन्वेशित करना चाहता है, परन्तु वे अंग्रेज़ी नहीं बोलते, इसलिए यह कठिन है। मैं उन्हें आपके सम्पर्क में ला सकती हूँ। (सम्पादिका : मैंने इन्डोनेसियन फ्रेन्डस् को सम्पर्क के विवरण भेज दिए हैं)

फिलाडेल्फिया वाय एम से रिचर्ड बरनार्ड लिखते हैं : आप में से बहुत से स्मरण करते हैं कि जबकि मैं भारत में होता हूँ हर दूसरे दिन डा. तुषार फोन करते हैं कि जान सकें कि सब कुछ ठीक-ठाक चल रहा है और क्या मुझे किसी चीज़ की सहायता चाहिए। उनके फोन काल्स् अत्यन्त आश्वासन भरे एवं सहयोगपूर्ण रहते हैं कि वे मेरी एवं मेरे परिवार की चिन्ता करते हैं। इसके पहले कि मैं स्थानीय क्वेकर्स् के घरों पर मिलने जाता मैं उनसे वहाँ मिलने गया जहाँ वे ठहरे थे जबकि वे एल्फ्रेड I डूपोन्ट चिल्ड्रन्स अस्पताल में जोकि दिलावारे में है क्लिनिकल रेज़ीडेन्सी चला रहे थे। वे मुम्बई में रहते हैं। जब मैंने वहाँ हुई भयंकर घटनाओं का समाचार सुना, तब मैंने फोन से सम्पर्क साधना चाहा पर न हो सका, इसलिए मैंने उन्हें ई-मेल भेजा यह आशा करते हुए कि सब कुछ ठीक-ठाक होगा। मुझे डर लगा था कि उस आक्रमण के कारण कहीं वे अस्पताल में भर्ती न हों। उनके निम्न सन्देश ने मुझे आश्वासित किया कि वे सुरक्षित हैं : ''हाँ हम प्रभु का धन्यवाद करते हैं, पर भविष्य अन्धकारमय दिखाई देता है; इसके बारे में हम प्रार्थना करने के सिवाय कुछ नहीं कर सकते। मैं खुश हूँ कि यह सब आरम्भ होने के पहले तुम चले गए थे, यह सब किसी अभिप्राय विशेष के लिए होना चाहिए। परमेश्वर हम सबको आशीष दे। तुषार''

ए डब्ल्यू पी एस ग्लोबल चेंज कमैटी (विश्व-परिवर्तन समिति) :

रॉबर्ट हौवेल (ए/एन ज़ैड)-संयोजक; जूलियन स्टारगर्ट (हॉन्गकान्ग) जो वैलेनटाइन (आस्ट्रे); जेन स्लोएन (आस्ट्रे); सीइची कोन्डो (जापान); टॉम कोयनेर (कोरिया) : वसन्त बावा

(भारत); टॉम डुनडास (आस्ट्रे-यन्ग फ्रेन्ड)। यह समूह कान्फ्रेन्स और ई-मेल द्वारा बुलाए जाने पर मिलता है।

जापान वार्षिक सभा

इस जे वाय एम पर, भविष्य में होने वाली जापान वार्षिक सभाओं की तिथियों का निर्णय तीसरा शनिवार और नवम्बर में उसके बाद आनेवाला रविवार।

इसलिए जे वाय एम के लिए 2009 से 2011 तक की तिथियाँ और स्थान निम्नानुसार हैं : नवम्बर 21 से 22 @ सुचियारा इबारागि नवम्बर 20 से 21, 2010 @ टोकियो नवम्बर 19 से 20, 2011 @ मिटो, इवारागि

जापान वार्षिक सभा की पत्री

सब कहीं फ्रेन्डस्, जापान की वार्षिक सभा नवम्बर 15 से 16 तक टोकियो फ्रेन्डस् मीटिंग हाऊस में हुई थी।

इस वर्ष के लिए हमारा विषय मत्ती 6:33 से उद्धरण था, ''इसलिए पहले तुम परमेश्वर के राज्य और उसकी धार्मिकता की खोज करो तो ये सब वस्तुएँ भी तुम्हें मिल जाएँगी।''

हमने आस्ट्रेलिया और यूनाइटिड स्टेटस् से तीन फ्रेन्डस् का स्वागत किया। वे अपनी सभाओं से हमारे लिए शुभकामनाएँ लाए। दिनांक 15 को हमारा पहला कार्यक्रम था ''अनुच्छेद 9—जापानी संविधान और जापान में फ्रेन्डस्'' संवाद। संसार में अशान्ति की दशा में, हमने संसार के प्रति अपनी अपील के महत्व को जाना कि हर कहीं युद्ध को मिटाने के लिए अनुच्छेद 9 को बनाए रखा जाए।

आराधना के लिए अपनी बिजनैस मीटिंग पर हमारे 86 वर्ष पुराने टोकियो फ्रेन्डस् सेन्टर के पुनर्निर्माण की रिपोर्ट दी गई। इसमें भूकम्प से बचाव के साधन एवं यंत्र लगाए गए हैं अर्थात् इस सेन्टर को एन्टी अर्थक्वेक प्रोटेक्शन तकनीक से बनाया गया। परमेश्वर ने कार्य की प्रक्रिया में आनेवाली सब कठिनाइयों को दूर किया और इसके लिए जो मोल-तोल, बातचीत की गई उन्हें सुलझाया और ठीक इसी समय पर हम उन सब के तहेदिल से आभारी हैं जिन्होंने हमारे इस सेन्टर के निर्माण में योगदान दिया कि यह परमेश्वर के औजार के रूप में इस्तेमाल हो। हमने प्रार्थना की कि यह सेन्टर एक ऐसा स्थान बने जहाँ जापान के फ्रेन्डस् विदेशों से आनेवाले फ्रेन्डस् से एक साथ मिल सकें।

वार्षिक सभा के दौरान 11 फ्रेन्डस् इस नये सेन्टर में ठहरे और उन्होंने पवित्र आत्मा की आशीषें पाईं। हम आशा करते हैं कि यह वह स्थान होगा जहाँ हमारे विश्वास और कार्यव्यवहार को पोषण मिलेगा और सब कहीं की फ्रेन्डस् प्रतिनिधियों को भी। तीन फ्रेन्डस् की रिपोर्टें जिन्होंने भोपाल में भारत में ए डब्ल्यू पी एस गेदरिंग में भाग लिया था, हमें सेकशन के फ्रेन्डस् के साथ संगठित किया। जापान में पाँच मासिक सभाओं के प्रतिवेदनों ने हमें उनके कार्यक्रमों में प्रोत्साहित किया : रिट्रीटें, सण्डे स्कूल्स्, शनिवार के स्कूल जहाँ कम आयु के युवा सदस्य

आपस में मिलते हैं और हमारे लिए भविष्य की आशा देते हैं।

15 को हमारी सन्ध्याकालीन वार्ता में हमने अपनी वार्षिक सभाओं के निकाय के बारे में वार्तालाप की। जापान में फ्रेन्डस् की संख्या में कमी आना और उनका बुज़ुर्गावस्था में पहुँचना भी एक समस्या है जिसका सामना हम कर रहे हैं, पर हमने महसूस किया कि हमें युवा पीढ़ी के लिए काम करना है जिससे कि हम अपनी वार्षिक सभा को और अधिक सक्रिय और जीवन्त बना सकें।

वार्षिक सभा के उपरान्त, हमारे मध्य में नितोबे मेमोरियल (स्मारक) व्याख्यान हुआ था। स्ट्रॉबैरी के स्टीफन मैकनील मासिक सभा ने ''ए एफ एस सी और जापान'' विषय पर वार्तालाप प्रस्तुत की। उन्होंने हमें ए एफ एस सी के कार्य एवं सेवा के बारे में बताया जोकि जापानियों और जापान में सन् 1923 से आज तक की जा रही है। हम सब ए एफ एस सी के महान् प्रेम और कार्य से अत्यन्त प्रभावित हुए। शान्ति और आत्मा में, काजुको कागामी, क्लर्क, जे वाय एम।

क्यू यू एन ओ—एन वाय

क्वेकर यूनाइटिड नेशन्स् ऑफिस जोकि न्यू यॉर्क में है उसके पास पूरा स्टाफ है। मैं अक्तूबर 2005 से इसकी समिति पर कार्य करते हुए उत्तेजित हुआ हूँ क्योंकि उस समय पूरा स्टाफ नहीं था।

जब बृहस्पतिवार सन्ध्या को हमने अपनी सभा का आरम्भ किया तब यह समिति सभा की तैयारी के लिए अपनी मित्रता और सहभागिता को तरोताज़ा करना एवं नया बनाना था जिसकी पहली बात शुक्रवार प्रात: की सभा में कार्यान्वित हुई थी।

हमारी अक्तूबर की सभा पहले की सभाओं से एकदम भिन्न थी क्योंकि इस समय हमने आने वाले कुछ वर्षों के कार्यक्रम क्षेत्रों को प्राथमिकता दी थी। इसमें हमारी सहायता के अन्तर्गत यह ध्यान देना भी था कि जो क्वेकर्स् करते हैं वह दूसरे एन जी ओ (गैर सरकारी संस्थाएँ) से भिन्न है, यू एन के चारों ओर कार्य करने के लिए हमारा बल क्या है और संभावनीय मिशन स्टेटमेन्ट (कथन)/लोगों तक पहुँचने के उद्देश्य और विषय। सौभाग्यवश स्टाफ़ और अन्य अनेक लोगों ने इस पर पहले ही कार्य किए इसके पूर्व कि हम एक समिति के रूप में मिलते।

स्टाफ़ ने पाया था कि जो कार्य अन्य एन जी ओ कर रहे थे उनमें से बहुत से विषय और उद्देश्य एक जैसे थे। उन्होंने इन्हें सकरा (कम) करके छह तक पहुँचा दिया। समिति ने ध्यान दिया कि उनमें से वे कौन से जन हैं कि हम स्टाफ़ (कार्यकर्ताओं) से पूछें कि उन पर आगे के कार्य करें, जो हमारी मार्च मीटिंग पर ध्यान दिए जाने योग्य थे। रविवार दोपहर को जाने से पहले हमने समिति के प्रत्येक कामों को निपटाया था।

लिनले ग्रेगोरी

''क्या आप सामान्य लक्ष्यों का पीछा या अनुसरण करने में दूसरे धार्मिक समूहों के साथ प्रसन्नतापूर्वक कार्य करते हैं? क्वेकर अन्तर्दृष्टियों के प्रति विश्वासयोग्य बने रहकर, दूसरे विश्वास के समुदायों (समाजों) के जीवन एवं गवाही में कल्पनायुक्त (काल्पनिक रूप से) तरीके से प्रवेश करने का प्रयास करें, एक साथ मिलकर मित्रता का सृजन करें (ब्रिटेन वार्षिक सभा 1994 की सलाहें और पूछताछ)।''

ए डब्ल्यू पी एस सेकशन में जो देश प्रतिनिधित्व करते हैं उनके लिए यह असाधारण सांस्कृतिक, धार्मिक और मानवजातीय विविधता का घर है। जबकि फ्रेन्ड्स् की धार्मिक संस्था कुछ सौ वर्षों से अपना एक पृथक चरित्र एवं वाणी को उत्सर्जित किए है या धारण किए हुए है, तब भी यह अन्य विश्वासों के लोगों के अनुभवों से निरन्तर सीख सकती और सीखना चाहिए, चूंकि उनके सांस्कृतिक एवं धार्मिक अभ्यासों, आस्थाओं और परम्पराओं में आत्मिकता की मूल्यवान अन्तर्दृष्टियाँ निहित हैं, जोकि एशिया वैस्ट पैसिफिक सेकशन में क्वेकर समुदायों की आराधना को समृद्ध बना सकती हैं।

ए यू डी 200 ने ए डब्ल्यू पी एस को दान दिया था कि एशिया और पैसिफिक में अन्य ध ार्मिक समुदायों की आत्मिक अन्तर्दृष्टियों से या के द्वारा और आगे सीखें। एशिया वैस्ट पैसिफिक सेकशन के सदस्यों और इसकी किन्हीं भी सभाओं में भाग लेने वालों को आमंत्रित किया जाता है कि वे एशिया वैस्ट पैसिफिक रीज़न में ग़ैर-मसीही रहस्यवाद के किसी भी पहलू और किस प्रकार क्वेकर समुदाय यहाँ क्वेकर आराधना में इन परम्पराओं के आन्तरिक प्रकाश के कार्य करने के ढंग का समाकलन कर सकते हैं—इस विषय पर आप लेख लिखने के लिए आमंत्रित हैं। हालाँकि यह क्षेत्र के सभी फ्रेन्ड्स् के लिए खुला है अर्थात् वे सब इस निबन्ध लिखने में भाग ले सकते हैं, यह आशा की जाती है कि इवेन्जलीकल फ्रेण्ड्स् और यन्ग एडल्ट फ्रेण्ड्स् इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाएँगे।

निवेदन कैसे करें :

अधिक जानकारी के लिए टॉप्सी ईवान्स् को ई-मेल भेजें। ई-मेल का पता है : tevans@130.aone.net.au.

प्रस्तावित निबन्ध की संक्षिप्त रूपरेखा इसी पते पर जून 2009 के अन्त तक भेज देना चाहिए और जो प्रस्ताव प्रोजेक्ट के लक्ष्यों पर खरे उतरेंगे उनका चयन एक समिति द्वारा किया जाएगा जिसके सदस्य हैं : दिलावर चेतसिंग, साईनेके मार्टिन, डॉन टगबी, वसन्त बावा और टॉप्सी ईवान। जब दस्तावेज़ (निबन्ध) भेजे जाते हैं, तो उन्हें सेकशन में विस्तृत रूप से प्रचारित किया जाएगा।

केरल में ई एफ एम सभा- 14-16 जनवरी 2009

रोनाल्ड टाइटस और नलिनी टाइटस द्वारा प्रतिवेदन : हम केरल एक्सप्रेस से 36 घण्टे की यात्रा करके पथानामथिट्टा पहुँचे। लगभग 150 प्रतिनिधि छत्तरपुर, मस्सूरी, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, भूटान और केरल से आए थे। पहले दिन पास्टर बेनसन सैम ने 3 दिवसीय वार्षिक सभा का उदघाट्न किया। भाग लेने वाले बच्चों ने दक्षिण भारतीय लोक नृत्य प्रस्तुत किए। डा. जॉन विलियम (जूनियर) और डा. चक माइलैण्डर प्रचारकगण थे। सारे समूहों ने अपनी वार्षिक गतिविधियों और प्रगति की रिपोर्टें (प्रतिवेदन) पढ़कर सुनाए और बताए।

डा. गेब्रियल मैस्सी ने हमें बताया कि डा. पी.के. सैम, बैनसम सैम के पिता ने अपना अध्ययन मालोन ओहायो एक क्वेकर संस्थान से जो यू एस ए में है, समाप्त कर लिया है। केरल लौटने पर उन्होंने प्रथानामथिट्टा केरल के निकट माल्लासारी में फ्रेण्डस् बाइबल चर्च का आरम्भ किया है। केरल राज्य में अब 16 चर्चेज़ हैं। डा. पॉल हुन्डानवालास, कोलाराडो यू एस ए के एक संगीत शिक्षक मस्सूरी आए (उत्तराखण्ड राज्य) और सुसमाचार प्रचार किया। वर्तमान में पास्टर एडविन डोरिया मस्सूरी और गढ़वाल क्षेत्र के प्रमुख हैं।

धारवाड (कर्नाटक राज्य), अरुन मैस्सी और शोभा मैस्सी देवदासियों (धर्म से जुड़ी वेश्यावृत्ति, मुख्य रूप से कर्नाटक राज्य के मन्दिरों में) और उनके बच्चों के लिए सुधार केन्द्र चला रहे हैं। वे भोजन, शिक्षा का प्रावधान करते हैं और सिलाई और कढ़ाई का प्रशिक्षण दे रहे हैं। वे एच आई वी (HIV) से ग्रसित लोगों के बीच में भी कार्य कर रहे हैं। ई एफ एम का मुख्य उद्देश्य शिष्यता और कलीसिया स्थापना करना है। पास ही के हाथियों के भ्रमण शिविर के दौरान, हमने हाथी पर सवारी की और हाथियों के संग्रहालय को देखा। सन्ध्या समय प्रतिभा खोज कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें प्रत्येक समूह को मनोरंजनीय कार्यक्रम प्रस्तुत करना था जैसे कि नाटक, प्रहसन, गीत इत्यादि।

सभा प्रतिदिन प्रात: 6.30 बजे आराधना और परमेश्वर के वचन को बाँटने से आरम्भ होती थी। प्रतिनिधिगण अपने-अपने समूहों में बैठकर बातचीत करते थे। हमने एक डब्ल्यू सी सी ए डब्ल्यू पी एस और अपने कार्यक्रमों के बारे में बताया। डा. गेब्रिएल मैस्सी और अरुन मैस्सी अत्यन्त स्वागतीय थे। ये दोनों फ्रेण्डस् एफ डब्ल्यू सी सी से अवगत हैं और दोनों ने त्रैवार्षिक सभाओं में भाग लिया है। उन्होंने हमें आगामी वर्ष की सभा में आमंत्रित किया है जोकि धारवाड में होगी। हम परमेश्वर की सामर्थी उपस्थिति के लिए धन्यवादित हैं। यद्यपि भाषा रुकावट का कारण तो बनी, परन्तु प्रत्येक ने एक एक जन में परमेश्वर के आत्मा को पहचाना

क्यू यू आई पी के क्वेकर यूथ बुक प्रोजेक्ट के लिए दान दीजिए

(क्वेकर्स् यूनाइटिंग इन पब्लिकेशन्स्)

क्वेकर यूथ बुक प्रोजेक्ट (युवा पुस्तक योजना)

सभी फ्रेण्डस् आयु 15-35 (लगभग) के युवाओं को आमंत्रित किया जाता है कि संभावित बहु-भाषाई संग्रह के लिए विज्ञप्ति और कला को जमा करें जिसका प्रकाशन 2010 में किया जाएगा। यह पुस्तक समकालीन क्वेकर जीवन और विश्वास को प्रतिबिम्बित करेगी, और सम्पूर्ण संसार के कार्यकलापों और फ्रेण्डस् के थियोलौजीकल (धर्मविज्ञान) संस्थानों/कालेजों की सभी शाखाओं का लेखा-जोखा प्रस्तुत करेगी। निवेदन की मार्गदर्शिकाओं के लिए देखें : www.quakeryouth.org/quipbook. अन्तिम तिथि (एशिया के फ्रेण्डस् के लिए) मार्च 31, 2009 कर दी गई है।

क्वेकर यूनाइटिड नेशन्स् समर स्कूल (15 जुलाई-17 जुलाई, 2009, जेनेवा)

उन लोगों के लिए जो अन्तरराष्ट्रीय मामलों में दिलचस्पी रखते हैं :

- ⋆ क्या आप यू एन में अध्ययन करना चाहते हैं?
- ⋆ क्या आप समस्त संसार के लोगों से मिलना चाहते हैं?

गर्मियों के स्कूल का लक्ष्य यूनाटिड नेशन्स् के कार्य का परिचय देना है। पूर्व के वर्षों में यह विशेषकर उच्च अध्ययन पूरा किए लोगों के लिए आकर्षित था जिन्होंने हाल ही में शिक्षा पूरी की थी।

⋆ कुछ छात्रवृत्ति उपलब्ध है।

⋆ आवेदन पत्र के पैक यहाँ से प्राप्त किए जा सकते हैं : www.quaker.org.uk या इस पते पर : -हेलेन ब्राडफोर्ड (क्यू यू एन एस एस), क्यू पी एस डब्ल्यू, फ्रेण्डस् हाऊस, यूस्टन रोड, लन्दन, एन डब्ल्यू 1 2 बी जे

ई-मेल : helenb@quaker.org.uk

आवेदन करने की अन्तिम तिथि : 16 मार्च, 2009